



कार्यालय : वन प्रमण्डल पदाधिकारी, देवघर वन प्रमण्डल, देवघर
संयुक्त वन भवन, बेलाबगान, देवघर



फोन / फैक्स नं०-6432-232397, मो०-9431137795, ईमेल-dfo.deoghar2@gmail.com

पत्रांक 02-02-व०भू०/01(02)16/16.....610 दिनांक 06-03-17

प्रेषक,

वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
 देवघर वन प्रमण्डल, देवघर।

सेवा में,

श्री बी.भी.सुब्बाराव,
 उप महाप्रबंधक,
 जे.सी.बी./8 सूर्य देव नगर,
 हर्ष विहार कॉलोनी,
 सरायडेला, धनबाद-828127

विषय: देवघर वन प्रमण्डल के अंतर्गत 220 के.भी. गोविंदपुर-दुमका ट्रांसमिशन लाइन निर्माण हेतु 5.5529 हे० वनभूमि का अपयोजन प्रस्ताव।

प्रसंग: (1) आपका पत्रांक 773 दिनांक 27.02.17।
 (2) इस कार्यालय का पत्रांक 158 दिनांक 23.01.17।

महाशय,

उपर्युक्त प्रासंगिक विषय के सम्बन्ध में सूचित करना है की विषयांकित परियोजना में विद्युत् संचरण पथ निम्न ग्रामों से गुजरती है जिन्हें प्रस्ताव में शामिल नहीं किया गया है।

क्र सं.	मौजा	थाना न.	थाना	प्लॉट न.	भूमि-किस्म	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	कुशमाहा	586	पालोजोरी (सारठ)	19	जंगल	अंचल अधिकारी, सारठ, प्रमाण-पत्र (छायाप्रति संलग्न)
2	सिमला	625	पालोजोरी (सारठ)	1263	अधिसूचित वनभूमि	अधिसूचना संख्या C/F 17055/ 55-3587-R, Dated :23.11.1955

अतः अनुरोध है की उक्त दोनों मौजा को प्रस्ताव में शामिल किया जाए तथा प्रस्ताव में संलग्न जिन अभिलेखों पर हस्ताक्षर एवं मुहर नहीं हैं उन्हें प्रतिहस्ताक्षरित किया जाए ताकि अग्रेतर कार्यवाई की जा सके।

अनुलग्नक : यथोक्त

विश्वासभाजन

o/c

वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
 देवघर वन प्रमण्डल, देवघर

121

प्रश्नकः

सेवा में

अपर समाहर्ता,
देवघर ।

विषय :- 220 के०मी० गोविन्दपुर-दुमका ट्रान्समिशन लाईन निर्मा हेतु 5.5529 हे० वनभूमि का अपयोजना प्रस्ताव के संबंध में।

प्रसंग :- भवदीय पत्रांक 174/रा0 दिनांक 03.02.2017.

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के आलोक में संबंधित भूमि की जाँच प्रगति अंचल निरीक्षक सार्वजनिक के द्वारा कराई गई है, जिसके आधार पर भूमि किस प्रकार का पत्र निर्गत किया जाता है। जो निम्न प्रकार है:-

क्र०	मौजा का नाम	थाना नं०	ज० न०	दाग नं०	रकबा र०	किस्म	आयुक्ति
1	2	3	4	5	6		8
1.	कुशमाहा	586	08	38	0.32	जंगल	जमाला रैयत मंडल भादता व उपेन्द्र भोक्ता
✓	कुशमाहा	586	13	19	0.13	जंगल	गै० गा० खास
3.	हरिराखा	587	15	170	0.45	धानी ओ०	जमाबंदी रैयत धरमा मराठी व बलका मराठी
4.	धौसी	582	21	662	4.34	गै० म० परती	कदीम

सादर समर्पित ।

विश्वसम्पन्न-

~~अंचल अधिकारी~~

साहित्य

2/2/7